

गोरखधंधा पुं. (देश.) 1. कई तारों, कड़ियों या लकड़ी के टुकड़ों इत्यादि का समूह जिसे जोड़ने के लिए विशेष बुद्धि बल की आवश्यकता होती है, ऐसा झंझट या बखेड़ा जिससे जल्दी छुटकारा न हो।

गोरखनाथ पुं. (तद्.) एक प्रसिद्ध अवधूत जो 15 वीं शताब्दी में हुए थे ये अवधूत बहुत सिद्ध माने जाते हैं और इनका चलाया हुआ संप्रदाय अब तक जारी है, गोरखपुर इनका प्रधान निवास स्थान था और वहीं इन्होंने सिद्धि प्राप्त की थी।

गोरखपंथ पुं. (तद्.) गोरखनाथ का चलाया हुआ संप्रदाय जिसे नाथ संप्रदाय भी कहते हैं।

गोरखपंथी पुं. (तद्.) गोरखनाथ का अनुगामी, गोरखनाथ के द्वारा चलाए हुए संप्रदाय वाला।

गोरखर पुं. (फा.) गधे की जाति का एक जंगली पशु जो गधे से बड़ा और घोड़े से छोटा होता है तथा यह पश्चिमी भारत, मध्य और पश्चिमी एशिया में पाया जाता है, यह बहुत चौकन्ना और तेज धावक होता है।

गोरखा पुं. (तद्.) 1. नेपाल के अंतर्गत एक प्रदेश 2. इस प्रदेश का निवासी।

गोरखाली पुं. (देश.) नेपाल में स्थित गोरखा नामक प्रदेश स्त्री. (देश.) नेपाली भाषा का नाम।

गोरखी स्त्री. (देश.) दे. गोरख ककड़ी।

गोरज पुं. (तत्.) गौ के खुरों से उड़ती हुई पवित्र धूल।

गोरण पुं. (तत्.) उद्योग, अध्यवसाय।

गोरसर पुं. (देश.) वह पतली लचीली तीली जिसे बांस के पंखों की डंडी के आसपास देकर बंधन से जकड़ देते हैं।

गोरसा पुं. (तद्.) वह बच्चा जो गाय के दूध से पला हो।

गोरसी स्त्री. (तत्.) दूध गर्म करने की अंगीठी, बोरसी टि. प्राचीन काल में प्रत्येक घर में गोरसी हुआ करती थी, गांवों में आज भी घर-घर गोरसी पाई जाती है।

गोरा पुं. (तद्.) फिरंगी, अमेरिका, यूरोप आदि देशों का निवासी।

गोरा पुं. (तद्.) सफेद और स्वच्छ वर्णवाला (मनुष्य) जिसके शरीर का चमड़ा सफेद और साफ हो।

गोरा स्त्री. (फा.) वह गढ़वा जिसमें मृत शरीर गाड़ा जाए।

गोराधार पुं. (देश+तत्.) मूसलाधार।

गोरिका स्त्री. (तत्.) दे. गोरहिका।

गोरिल्ला पुं. (अफ्रीका) चिंपेंजी जाति का एक बहुत बड़े आकार का बनमानुस।

गोरी स्त्री. (तद्.) सुंदर और गौर वर्ण की स्त्री, रूपवती (फा.) गौर निवासी, गर का बशिंदा पुं. गर निवासी, शहबुद्दीन गोरी।

गोरू पुं. (तद्.) 1. सींगवाला पशु, गाय, बैल, भैंस इत्यादि चौपाया मवेशी 2. दो कोस की दूरी।

गोरोचन पुं. (तत्.) पीले रंग का एक प्रकार का सुगंध द्रव्य जो गौ के हृदय के पास पित्त में से निकलता है।

गोर्द पुं. (तत्.) मस्तिष्क।

गोलंदाजी स्त्री. (फा.) तोप के गोले चलाने का काम या कला।

गोल पुं. (तत्.) जिसका घेरा वृत्ताकार हो, चक्र के आकार का प्रयो. गाड़ी का पहिया गोल होता है, गोल-गोल बातें न किया करो। पुं. (तत्.) 1. मंडलाकार क्षेत्र, वृत्त, गोलाकार पिंड, गोलक 3. गोल यंत्र 4. विधवा का जारज पुत्र 5. मुर नाम की ओषधि 6. मदन नाम का वृक्ष, मैनफल का पेड़ 7. मंडली, झुंड समूह 8. उपद्रव, खलबली, गड़बड़, गोलमाल प्रयो. यहाँ सब गोलमाल है (अं.) हॉकी फुटबाल आदि में वह स्थान जहाँ गेंद पहुँचा देने से विराधी पक्ष की जीत हो जाती है।

गोलक पुं. (तत्.) 1. गोलोक 2. गोलपिंड 3. विधवा का जारज पुत्र 4. मिट्टी का बड़ा कुंज 5. इत्र 6. आँख का डेला।

गोलदाज पुं. (फा.) लेप में गोला रख कर चलाने वाला। लोप में बत्ती देनेवाला।